Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—7005

PAPER—III

TRIBAL & REGIONAL LANGUAGE/LITERATURE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **36** Number of Questions in this Booklet :26

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

TRIBAL AND REGIONAL LANGUAGE / LITERATURE

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा / साहित्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE : This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
भाग – I

NOTE : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

Read the following statement carefully and answer the questions related to it in 30 words each in Hindi, English, Bengali or Oriya. Each question carries 5 marks.

$(5 \times 5 = 25)$

"Which is most responsible in character-building the individual himself or the rest of the world ? We propose to decide this matter here, because the task of character building rests on it.

In short, the answer lies in the fact that the impact of time and space is inevitable, but the impact depends upon the type and the amount of acceptance. If we put iron and lead (metal) under a definite temperature, the truth mentioned above will be proved. Under a given temperature, while iron will not even become red, lead will start melting. It means that the inner-self of the character decides the type and amount of the effect.

The relationship between individual and society too is like this. The individual is related inevitably with the rest of the world. So it is difficult for the individual to be indifferent with the social, political, economic and spiritual impact of the rest of the world. But, this does not mean that this impact is all pervading. The impact reacts according to the personality or the inner-self of the person. The wealth and power that was the cause of vanity and ego for Rawana, that wealth and power comparativety greater than that became the cause of magnanimity for Rama. Though the background of the independance movement of India was one and the same, its reactions were different. At one place it took the shape of Gandhi (truth and non-violence), at other it took the shape of Subhash (revolting Nationalism) and in Golwalker and Jinnah it resulted in narrow sectarianism. It is thus clear that in the building of character the responsibility of an individual is greater than the rest of the world. The impact of the events of the rest of the world on the individual, his reactions, basically depends on the strength of the innerself of the individual.

This inner-self is built by the thought, belief and habits of the individual. The man of higher thought, firm belief and healthy habits remains undisturbed like a steady lamp in difficult situations and lights up the dark environment around him. This is the first characteristic of a great man."

निम्नलिखित कथन का सावधानी से अध्ययन करें और इससे संबंधित 5 प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला या उड़ीया भाषा में 30-30 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।

''चरित्र-निर्माण में मुख्य दायित्व किसका है - स्वयं व्यक्ति का अथवा शेष जगत का? यहाँ हम इसी बात का निर्णय करना चाहते हैं। क्योंकि उसी पर चरित्र निर्माण का निदान निर्भर करता है।

सूच रूप में इसका उत्तर यह है कि देश-काल का प्रभाव अनिवार्य है, किंतु प्रभाव की स्वीकृति प्रकार और मात्रा पर निर्भर करती है। यदि एक निश्चित तापमान में लोहा और शीशा (धातु) को गर्म किया जाए, तो उपर्युक्त सूत्र का प्रमाण मिल सकता है। जिस तापमान में लोहा लाल भी न होगा, उसी तापमान में शीशा पिघल जाएगा। तात्पर्य यह कि वस्तु या पात्र का अंत:स्त्व ही प्रभाव की मात्रा और प्रकार का निर्णायक होता है।

व्यक्ति और समाज का संबंध भी ऐसा ही है। शेष जगत के साथ व्यक्ति अविच्छिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। इसलिए शेष जगत के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, आध्यात्मिक प्रभावों से तटस्थ रहना व्यक्ति केलिए असभ्व है । किन्तु इसका तात्पर्य सह नहिं कि यह प्रभाव सर्वग्रासी हैं व्यक्ति के व्यक्तित्व या अन्त: सत्व के अनुसार ही इन प्रभावों की प्रतिक्रिया होती है। जो धन संपत्ति और शक्ति रावण के लिए जंभ का कारण थी, उससे भी बड़ी धन संपत्ति और शक्ति राम के स्थिर उदात्तता का कारण बन गयी। भारतीय स्वातंत्र्य-संग्राम की पृष्ठभूमि यद्यपि एक ही थी, किंतु उसकी प्रतिक्रियाएँ अनेक रूपों में हुई। कहीं उसने गांधी (सत्य-अहिंसा) का रूप धारण किया, कहीं सुभाष (विद्राही राष्ट्रीयता) का और कहीं गोलवलकर और जिन्ना (संकुचित राष्ट्रीयता) का। इससे स्पष्ट है कि चरित्र-निर्माण में शेष जगत की अपेक्षा व्यक्ति का दायित्व आर्थिक है। व्यक्ति शेष जगत की घटनाओं से किस रूप में प्रभाव ग्रहण करता है, उसकी प्रतिक्रिया कैसी होती है, यह प्रधानत: उस व्यक्ति के अन्त: सत्व पर निर्भर करता है।

यह अन्त: सत्व व्यक्ति के विचार विश्वास और आदत से निर्मित होता है। उच्च विचार, दृढ़ विश्वास और स्वस्थ आदत वाले व्यक्ति प्रतिकूल परिस्थितियों में भी निस्संप दीपशिखा की भाँति ज्फोतित रहते हैं और अपने अंधकारमय परिवार को भी आलोकित करते रहते हैं। महापुरुषों का यह पहला लक्षण है।''

1. What can be an appropriate title of this statement ? Give reasons for its appropriateness.
इस कथन का उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है? इस शीर्षक को आप क्यों उपयुक्त मानते हैं?

2. What are the two most important factors for a person's character formation ?

व्यक्ति के चरित्र-निर्माण में किन दो प्रमुख कारकों का विशेष प्रभाव पड़ता है?

3. What and why according to the author is the most important factor in a person's character building ?

व्यक्ति के चरित्र-निर्माण में लेखक किस कारक को प्रधानता स्वीकार करता है और क्यों?

4. What example does the author give to prove his statement ?
चरित्र के प्रमुख कारण के लिए लेखक ने क्या प्रमाण दिया है?

5. What is the first characteristic of a great man ?
महापुरुषों का पहला लक्षण क्या है?

SECTION - II

भाग – II

NOTE: **Give your answer in Hindi, English, Bengali or Oriya in 30 words each. Each question carries 5 marks,** **(5 × 15 = 75)**

नोट : **इस खंड के प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला, या उड़ीसा भाषा में ३०-३० शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए ५ अंक निर्धारित हैं।**

6. What is Ethnology ? What are the objectives of studying Ethnology ?

जाति-विज्ञान क्या है? इसके अध्ययन के उद्देश्य क्या हैं?

7. What is the difference between the tribes and the sadans of Jharkhand ?
झारखंड की जनजातियों और सदानों में क्या अंतर है?

8. Explain the role of Linguistics and Grammar in studing a language.
किसी भाषा के अध्ययन में भाषा-विज्ञान और व्याकरण की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

9. Describe the main features of a tribal and regional language.

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में किसी एक की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

10. Exemplifying from a tribal and regional literature, explain what impact Indian Literature has on it.

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य में किसी एक से उदाहरण दे कर यह स्पष्ट कीजिए कि भारतीय साहित्य का उस पर क्या प्रभाव पड़ा है।

11. Can tribal and regional literatures be understood well without understanding Indian Literature ? Give reasons.

क्या भारतीय साहित्य को समझे बिना जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य को ठीक से समझा जा सकता है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

12. Give a definition of literature and identify the distinctive features of literature.

साहित्य की किसी एक परिभाषा के माध्यम से साहित्य की प्रमुख विशेषताआं को रेखांकित कीजिए।

13. Describe the structural features of song or one-act play ?
गीत या एकांकी की संरचनात्मक विशेषताओं का परिचय दीजिए।

14. What is the importance of environment in Fiction ? Explain.
कथा-साहित्य में परिवेश का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए।

15. Give an example while defining 'Utpreksha' or 'Sandeha' alankar.

'उत्प्रेक्षा' या 'संदेह' अलंकार का परिभाषित करते हुए एक उदाहरण दीजिए।

16. What is 'Vyanjana' ? Give an example and explain.

'व्यंजना' किसे कहते हैं। एक उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

17. Describe the importance of Folk-Literature.

लोक साहित्तय के महत्व पर प्रकाश डालिए।

18. What are the categories of Folk-songs ? Give an example.

लोक गीतों के भेद बताइए और एक उदाहरण दीजीए ।

19. Explain the difference between 'Proverb' and 'Riddle'.
'कहावत' और 'पहेली' का अंतर स्पष्ट कीजिए।

20. What is the need for studing folk-language ? Give main reasons.
लोक भाषा के अध्ययन की क्या आवश्यकता है? प्रमुख कारण बताइए।

SECTION - III

भाग – III

NOTE: **Give your answers in Hindi, English, Bengali or Oriya in 200 words for each question. Every question carries 12 marks.**

$(12 \times 5 = 60)$

नोट : **इस खंड के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला या उड़ीसा भाषा में 200-200 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए १२ अंक निर्धारित हैं।**

21. Give an example of a 'proverb' or'phrase' from a tribal and regional language and explain its meaning ?

    जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में किसी एक से एक 'कहावत' या 'मुहावरे' का उदाहरण दे कर अर्थ स्पष्ट कीजिए।

22. Describe the distinctive features of an ancient poet in tribal and regional languages.

    जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में किसी एक को एक पुराने कवि की श्रेष्ठता प्रतिपादित कीजिए।

23. Evaluate the style of the language of a recent poet in a tribal and regional literature.

    जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में किसी एक के एक नये कवि की भाषा-शैली का मूल्यांकन कीजिए।

24. Give a critical introduction to a fiction writer in a tribal and regional language.

    जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में किसी एक के एक कथाकार का आलोचनात्मक परिचय दीजिए।

25. Give an evaluation of the State assistance for the development of tribal and regional languages.

    जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के विज्ञान के लिए सरकारी सहयोग का मूल्यांकन कीजिए।

SECTION - IV

भाग – IV

NOTE : **Answer of this section should be given in a tribal and regional language in 1000 words. The answer carries 40 marks. (1 × 40 = 40)**

नोट : इस खंड के उत्तर किसी एक जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा में 1000 शब्दों में दीजिए। इसके लिए 40 अंक निर्धारित हैं।

26. Give an outline of the development of modern poetry or criticism in a tribal and regional language.

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में किसी एक के आलोचना साहित्य अथवा आधुनिक कविता के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....